बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी-जनवरी, २०२०)

(समय : दोपहर २:०० से ५:००)

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र -२

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १ मार्च, २०२० के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे। मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी। एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे। अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें। परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

कुल गुण : १००

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवीण - द्वितीय संस्करण, जनवरी - २००९

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। [९]

१. ''हमने इनका श्वान की तरह तिरस्कार किया, फिर भी इन्होंने हमें नहीं छोड़ा।''
२. ''आप यह फानस शौचालय में रख आइए।''
३. ''यह ज़मीन तो सोना उगलनेवाली हैं।''

प्र.२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। [६]

१. जीवात्मा को क्या मानकर भक्ति करनी चाहिए?
२. मुक्ति यानि किसकी प्राप्ति?
३. मगनीराम का मोक्ष श्रीहरि ने किस तरह किया?
४. पुरुषोत्तम की तरह एक तथा अद्वितीय कौन है?
५. श्री धार्मिकस्तोत्रम् का रचयिता कौन है?
६. गढ़डा में मूलजी और कृष्णजी ने क्या निर्णय किया?

प्र.३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। (बारह पंक्तियों में) [८]

१. ध्यानचिंतामणि **अथवा** २. गृहस्थाश्रमी के विशेष धर्म
३. संप्रदाय के शास्त्र : वचनामृत। **अथवा** ४. भक्तराज मगनभाई

प्र.४ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए। (बारह पंक्ति में) [९]

१. बाबा साहब की फौज़ चार भक्तों के खेत में जा न सकी।
२. उका खाचर देर से आए फिर भी महाराज प्रसन्न हुए।
३. शांतिबा ने सुरा भक्त से कहा, ''अब जाकर श्रीहरि को अपने गाँव आने का निमंत्रण दो।''
४. प्रकट ब्रह्मस्वरूप संत का मन-कर्म-वचन से संग करने से जीव ब्रह्मरूप हो जाते हैं।

प्र.५ 'वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण : २२' - **का निरूपण कीजिए।** [५]

प्र.६ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए। [६]

विषय : जनमंगलस्तोत्रम्

१. धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष इन चार पुरुषार्थों की सिद्धि के लिए इस स्तोत्रमंत्र का जाप किया जाता है। **२.** उस के रचियता ऋषि शतानंद मुनि हैं। **३.** इस स्तोत्र में १ से ९ तक के नाम श्रीहरि के मानुषी स्वरूप को उजागर करते हैं। **४.** १० से १६ तक के नाम भगवान स्वामिनारायण के वनविचरण की स्मृति करानेवाले हैं। **५.** इस स्तोत्रमंत्र के आश्रयस्तंम्भ भी 'भक्तिनंदन' श्रीहरि हैं। **६.** अक्षर के दो स्वरूप है। **७.** १० से १६ तक धर्मभक्ति के घर पर रहकर किए चरित्रों की स्मृति करानेवाले नाम हैं। **८.** जिस प्रकार अक्षरधाम की मूर्ति गुणातीत है, वैसे ही मनुष्याकार मूर्ति भी गुणातीत है। **९.** इसके देवता 'धर्मनंदन श्रीहरि' है। **१०.** यज्ञों के द्वारा मात्र स्वर्गादि सुख की प्राप्ति होती है। **११.** जनमंगल नामावली में ११२ नाम हैं। **१२.** इसकी शक्ति बृहद्व्रतधर श्रीहरि हैं।

(१) केवल सही क्रमांक : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

प्र.७ निम्नलिखित जनमंगलस्तोत्रम्/कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। [८]

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्रीतैर्थिकार्चिताय नमः ..... ॐ श्रीसिद्धेश्वराय नमः॥
२. वहाला तारा उरमां विणगुण ..... छेलडा रे लोल।
३. दिव्याकृतित्व ..... शरणं प्रपद्ये॥
४. मानापमान ..... स उच्यते॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए।

विभाग-२ : गुणातीतानंद स्वामी -प्रथम संस्करण, नवम्बर - २००२

प्र.८ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। [९]

१. ''हम तो बाजरे की सूखी रोटियों का चूरा करके उसे छाछ में मिलाकर खाते हैं।''
२. ''डरो मत, यह मकान गिरनेवाला नहीं है।''
३. ''हम यदि वृद्धापन के वादे पर रहें तो हमारी जवानी की कमाई भी चली जाती हैं।''

प्र.९ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। [५]

१. एभलखाचर कब अक्षरवासी हुए? (संवत्)
२. उन्नीस संत कहाँ बीमार हो गए थे?
३. स्वामी मूलजी श्रोत्रिय पर क्यों नाराज हुए?
४. स्वामी ने प्रागजी भक्त को कितने दिन तक अखंड ध्यान में बिठाया?
५. वरताल में पूर्णिमा की उत्सव सभाओं में कौन स्वामी के पास ही बातें करवाते थे?

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए। (नौ पंक्ति में) **[९]**

१. ब्रह्म और परब्रह्म का प्रथम मिलन पीपलाणा में हुआ।
२. मूलजी छोटेभाई के साथ घर गए।
३. मालजी सोनी ने स्वामी के स्वरूप का दृढ़ निश्चय किया।
४. स्वामी सूरत में रूक गए।

प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। (बारह पंक्तियों में) **[८]**

१. ऊँड नदी की लीलाएँ
२. मेरे वचन तो एक जोगी ही बदल सकते हैं।
३. हम रहें या हम जैसे महापुरुष को निरंतर रखें?

प्र.१२ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए। (बारह पंक्तियों में) **[४]**

१. बाजारू काँटे २. कल्याण की गरज (सद्गुरु कौन)

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। **[८]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. स्वामी उपशम स्थिति में
(१) ☐ स्वामी गुम्बज में बैठे थे।
(२) ☐ पाँच दिन के बाद स्वामी जागे।
(३) ☐ आप सब के मन मेरे प्रति स्थिर हो गया है।
(४) ☐ हे राजा रहुगण, तू अकोविद हो।

२. एकात्मभाव
(१) ☐ रोज इतनी भूख सहन करते हैं?
(२) ☐ उनका पाँव दो पत्थरों के बीच फँस गया था
(३) ☐ आपने लोभी के घर भोजन किया है
(४) ☐ मेरा पाँव निकालिए वरना टूट जाएगा

३. गुणातीतानंद स्वामी को महंत की नियुक्ति की तब महाराज ने क्या क्या दिया?
(१) ☐ प्रसादी का थाल (२) ☐ अपने वस्त्र प्रसाद के रूप में
(३) ☐ पाघ (४) ☐ हार

४. जीव का ऊलटा स्वभाव
(१) ☐ सेवा करने की मना की (२) ☐ स्वामी में मनुष्यभाव देखा
(३) ☐ समाज में मैं मुँह क्या दिखाऊँगा? (४) ☐ वस्ता ने नश्वर शरीर छोड़ दिया

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्य में से गलत शब्द को सुधारकर विषय के अनुलक्ष्य में सही वाक्य लिखिए। **[६]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उदाहरण : बालचरित्र : समयान्तर से कैलासनाथ और पूरीबा को दूसरे पुत्र की प्राप्ति हुई। उसका नाम रखा रवजी।
उत्तर : बालचरित्र : समयान्तर से **भोलानाथ** और **साकरबा** को दूसरे पुत्र की प्राप्ति हुई। उसका नाम रखा **सुन्दरजी**।

१. **वृत्ति का निरोध :** संवत् १८७९ के वर्ष में सोरठ में भयानक बारिश हुई थी। इसी कारण गुणातीतानंद स्वामी ने नित्यानंद स्वामी को तीन सौ संतों के साथ बड़ौदा भेज दिए ।
२. **महाराज जमान हुए :** संवत् १८७३ जलझीलनी एकादशी के उत्सव के बाद महाराज ने हरिभक्तों को दरबारगढ़ में बुलाकर सभा की। झीणाभाई दरबार जूनागढ़ से पधारे थे।
३. **श्रेष्ठ वक्ता :** सबको षष्टाकार में एक साथ बिठाकर स्वामी स्वयं देखने लगे और स्वामी ने सभी से कहा, जिस प्रकार ये मुक्तानंद स्वामी भोजन करते हैं, उसी प्रकार आप सब भोजन करना सीखे।
४. **प्रागट्य :** रास्ते में लेखाटींबी नामक गाँव में एक दरबार के घर रात्रि निवास किया। संवत् १७३८ वैशाख शुक्ला नवमी का वह दिन था।
५. **अंतिम लीला :** फिर कोठारी मठ आए। कीर्तन-चेष्टा का गान करके कोठारी पद्मासन आसन में आचार्य के सिंहासन के पास खंभे को टेककर बिराजमान हुए।
६. **अनादि के सेवक :** गरमी से पसीना और गीले कपड़ों के टपकते पानी से स्वामी का शरीर लथपथ था। ठीक उसी समय महाराज रवजी नाई के वहाँ भोजन लेकर गणपति द्वार पर आए।

* * *

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और केवल मुख्य परीक्षा के उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं।**
http://www.baps.org/Satsang-Exams.aspx